क्षम्य नहीं है। उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें तत्काल हटा देना चाहिए। महोदय, सदन से मेरी इतनी ही मांग है। धन्यवाद।

डा. (श्रीमती) नजमा ए. हेपतुल्ला (राजस्थान): महोदय, मैं अपने आपको इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्ध करती हूँ।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं अपने आपको इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्ध करती हूँ।

श्री रुद्रनारायण पाणि (उड़ीसा): महोदय, मैं अपने आपको इस विशेष उल्लेख के साथ सम्बद्ध करता हूँ।

Inappropriate air fare being charged on Delhi-Dharmashala sector

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं इस सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान एक अति महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहती हूँ। महोदय, दिल्ली से धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) जाने और आने के लिए केवल किंगफिशर एयरलाएंस अपनी सेवा प्रदान करती है। प्रतिदिन एक फ्लाइट दिल्ली से धर्मशाला जाती है और वही फ्लाइट धर्मशाला से दिल्ली आती है। महोदय, सभी जानते हैं कि धर्मशाला एक पर्यटक गंतव्य है और हिमाचल के लोगों के साथ-साथ देश-विदेश से आने वाले पर्यटक भी इसी एयरलाइंस की सेवा प्राप्त करते हैं। दिन में केवल एक ही फ्लाइट होने के कारण लोगों को काफी परेशानी होती है, क्योंकि उसमें कई-कई दिनों तक टिकट नहीं मिलती है और लोगों को टिकट के लिए कईकई दिनों तक वेटिंग में रहना पड़ता है। धर्मशाला के लिए एक फ्लाइट होने के कारण यह एयरलाइंस मनमाना किराया वसूल करती है, कई बार इसका किराया आठ हजार और नौ हजार रुपए तक पहुंच जाता है। मुंबई, बेंगलुरु, आदि अन्य स्थानों की तुलना में धर्मशाला का किराया बहुत अधिक होता है। दिल्ली-धर्मशाला दिल्ली सेक्टर पर किंगफिशर रेड की मोनोपोली बनी हुई है। मेरी सरकार से अनुरोध है कि एक एयरलाइंस की मोनोपोली और यात्रियों की अधिकता को देखते हुए सरकार धर्मशाला के लिए दूसरी एयरलाइंस को भी जल्दी से जल्दी introduce करे, ताकि यात्रियों से उचित किराया ही वसूला जा सके और यात्रियों को कई-कई दिनों की वेटिंग से छुटकारा मिल सके। धन्यवाद।

Denial of rice allocation to Kerala for festival season

SHRI P. RAJEEVE (Kerala): Sir, I would like to draw the attention of the House to the step-motherly approach of the Central Government to the State of Kerala and the attack of the Central Government to dismantle the Public Distribution System. The Government of Kerala has submitted a memorandum for the allocation of rice under the special quota for Onam festival season. As all of us are aware, Onam is a national festival for Malayalees and the State Government has taken steps to control the price during the festival season. But the approach of the Central Government is totally negative. The Government of India denied the additional allocation beyond the present level of APL allocations. The letter from the Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution stated that additional allocation beyond the present level of APL allocation to the State can be made at MSP based issue price of Rs. 10,800 per tonne for wheat and at applicable economic cost for rice. Hence the request for additional allocation of rice and wheat to Kerala on account of Onam festival requirement can be made only at the above price and not at the APL price. This is the letter from the Central Government. Then they can purchase it from FCI godowns at the economic cost of rice, which means Rs. 17.80 per kilogram